हरसिद्धि नरेश का बालाजी अवतार

राजस्थानी थीम पर काटजू का राजा

लाल बाग के राजा

सिंधी कॉलोनी की शान

गणपति बप्पा के गूंजे जयकारे, की सुख-समृद्धि की कामना

भागीरथपुरा में महाआरती में उमड़े श्रद्धालु

नवभारत न्यूज

इंदौर. श्री गणेश मित्र मंडल एमआर-04 भागीरथपुरा द्वारा आयोजित भव्य गणेशोत्सव के अंतर्गत महाआरती एवं भंडारे का आयोजन किया गया. इस दौरान मुख्य अतिथि आकाश विजयवर्गीय सहित अन्य अतिथिगण एवं सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए. भगवान श्री गणेश की महाआरती कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई.

महाआरती के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन हुआ. पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय माहौल रहा और गणपति बप्पा के जयकारों से परिसर गूंज उठा। मंडल के सदस्यों ने बताया कि श्री गणेश मित्र मंडल द्वारा लगातार 20 वर्षों से गणेशोत्सव का आयोजन किया जा रहा है. आयोजन को सफल बनाने में मंडल के शुभम यादव, रोहित पाल, अंकित बौरासी, तन्मय शर्मा, निखिल गिरी, मुकेश यादव, हनी बौरासी, शैलेश यादव एवं रिंकू सहित समस्त सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

उषा गंज छावनी में विराजे श्री त्रिशुंड गणपति बने आकर्षण का केंद्र

आकाश जैन

नवभारत न्यूज

इंदौर. उषा गंज छावनी में इंडसइंड बैंक के पीछे श्री गणेश मित्र मंडल की ओर से इस वर्ष श्री त्रिशुंड गणपति जी की आकर्षक प्रतिमा स्थापित की गई है. पुणे के प्रसिद्ध त्रिशुंड गणपति के स्वरूप में विराजित बप्पा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं. प्रतिमा में गणेशजी तीन सूंड के साथ मोर पर विराजमान हैं, वहीं उनके साथ शक्ति का स्वरूप भी दर्शाया गया है.ॉ

मंडल के सदस्य आकाश जैन, जो पंडाल की देखरेख कर रहे हैं, ने बताया कि 22 सितंबर को त्रिशुंड गणेश जी को 56 भोग लगाया जाएगा. इसके साथ ही रात 9 बजे प्रतिदिन की आरती होगी. वहीं 23 सितंबर को महाआरती का आयोजन किया जाएगा. 56 भोग के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचे. मंडल के अनुसार श्री त्रिशुंड गणपति मंदिर, पुणे की नींव 26 अगस्त 1754 को रखी गई थी और करीब 16 वर्षों के निर्माण के बाद 1770 में मंदिर पूर्ण हुआ था. तीन सूंड को ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतीक माना जाता है, जबकि मोर पर विराजमान होने के कारण इन्हें मयूरेश्वर गणेश जी भी कहा जाता है. मंडल की ओर से श्रद्धालुओं से बप्पा के दर्शन करने और गणेश उत्सव को भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाने का आह्वान किया गया है.

नंदलालपुरा में गणेश उत्सव में प्रतिदिन भोजन प्रसादी

बच्चों के लिए नि :शुल्क मेला, विभिन्न प्रकार के पुरुस्कार वितरण

नवभारत न्यूज

इंदौर. नंदलालपुरा क्षेत्र में पिछले 20 वर्षों से गणेश उत्सव का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया जा रहा है. 10 दिवसीय इस उत्सव के दौरान प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाती हैं.

उत्सव के दौरान महाआरती के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी का वितरण किया जाता है. प्रतिदिन करीब 1500 से 2000 लोग प्रसादी ग्रहण करते हैं। आयोजन में लक्की ड्रा भी आकर्षण का केंद्र रहता है, जिसके अंतर्गत प्रतिदिन 11 भाग्यशाली महिलाओं को विभिन्न पुरस्कार दिया जाता है. आयोजक भरत सिंह खस ने बताया कि गणेश उत्सव के दौरान धार्मिक विषयों पर चर्चा, धार्मिक कथाओं एवं चालीसा पाठ करने वालों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है. इसके साथ ही आरती की सुंदर थाली सजाने वाले बच्चों को भी प्रोत्साहित करते हुए पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं. उत्सव स्थल पर मेले का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें झूलों का बच्चे नि:शुल्क आनंद लेते हैं।

गूंजे सदाबहार नगमे, मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

जागृति म्यूजिकल ग्रुप की 13वीं संगीतमय प्रस्तुति

जितेंद्र

नवभारत न्यूज

इंदौर. प्रीतमलाल दुआ सभागृह में जागृति म्यूजिकल ग्रुप द्वारा सुर-संगीत कराओके इवेंट की 13वीं संगीतमय प्रस्तुति का आयोजन किया गया. जागृति तिवारी द्वारा आयोजित एवं परिकल्पित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त डिप्टी आबकारी आयुक्त जगदीश राठी उपस्थित रहे. संगीतमय शाम में शहर के उभरते और अनुभवी कलाकारों ने सदाबहार हिंदी गीतों की प्रस्तुतियों से श्रोताओं का मन मोह लिया.

कार्यक्रम में महिला एवं पुरुष गायकों ने अपनी सुरीली आवाज में एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किए. महिला गायकों में जागृति तिवारी, सरिता शर्मा, सुनीता सेंगर, पूनम गुप्ता, पूर्णिमा होलकर, प्रीति मुंशी, पारवती जोहरिया, फ्रांसिस मैडम, मिलन झा, आशा वर्मा और काजल सिंह ने प्रस्तुति दी. वहीं अतिथि गायक लोकेश निरवेल सहित मनोहर दादा, बृजमोहन, प्रकाश जेराल्ड, जीतेंद्र भारद्वाज, ओमप्रकाश चंदन, विधान देवनाथ, डॉ. धर्मेंद्र, गणेश पाटिल, किशोर पाटिल, बालकृष्ण, विजय घुंपराले, मनोहर वारे, राजेश गौड़, संजय नायक, परमजीत सिंह, राम भैया, राजेश सर और रवि ने अपनी गायकी से समां बांधा.

अधिवक्ता जितेंद्र भारद्वाज की प्रस्तुति को खूब सराहा: कार्यक्रम का विशेष आकर्षण जाने-माने अधिवक्ता एवं वरिष्ठ गायक जितेंद्र भारद्वाज (जितेंद्र प्रकाश) की प्रस्तुति रही. वकालत के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने वाले भारद्वाज ने अपनी सुरीली आवाज में फिल्म 'सिलसिला' का लोकप्रिय गीत 'नीला आसमां सो गया' प्रस्तुत कर सभागृह में मौजूद श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. अपनी प्रस्तुति के बाद अधिवक्ता एवं गायक जितेंद्र भारद्वाज ने कहा, वकालत मेरा पेशा और कर्तव्य है, लेकिन संगीत मेरी आत्मा और जुनून है. भागदौड़ भरी जिंदगी में संगीत मानसिक शांति और ऊर्जा प्रदान करता है. जागृति म्यूजिकल ग्रुप का यह मंच हम जैसे संगीत प्रेमियों को अपनी कला को जीवंत रखने और लोगों तक पहुंचाने का सुंदर अवसर देता है. सुरमयी माहौल में देर रात तक चले इस आयोजन में बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी शामिल हुए. श्रोताओं ने तालियों के साथ सभी कलाकारों का उत्साहवर्धन किया.

सदाबहार गीतों ने बांधा समां

संगीतमय शाम में सुनीता सेंगर ने 'परदेसिया यह सच है पिया', पूनम गुप्ता ने 'नैना बरसे रिमझिम', आशा वर्मा ने 'हर करम अपना करेंगे' और प्रकाश जेराल्ड ने 'दीवानों से ये मत पूछो' गीत की प्रस्तुति दी. वहीं किशोर पाटिल एवं पारवती जोहरिया ने 'तेरी मोहब्बत ने दिल में मकान कर दिया' गीत गाकर श्रोताओं की खूब तालियां बटोरीं.

गोपीनाथ मोहंती ने आदिवासी जीवन को प्रभावशाली ढंग से किया प्रस्तुत

'माटीमटाल', 'परजा' और 'अमृतर संतान' की साहित्यिक विशेषताओं पर हुई चर्चा, 'सृजन विविधता' में रचनाकारों ने प्रस्तुत कीं रचनाएं

नवभारत न्यूज

इंदौर. श्रीमध्यभारत हिंदी साहित्य समिति में ओडिया साहित्य के महान साहित्यकार एवं ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित पद्मभूषण गोपीनाथ मोहंती की साहित्यिक यात्रा पर कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें उनके साहित्य में आदिवासी समाज, ग्रामीण जीवन, सामाजिक संघर्ष और मानवीय संवेदनाओं के चित्रण पर चर्चा हुई.

समिति के साहित्य मंत्री प्रो. (डॉ.) पद्मसिंह ने कहा कि गोपीनाथ मोहंती के बचपन के ग्रामीण परिवेश और सामाजिक अनुभवों ने उनके साहित्य को गहराई से प्रभावित किया. उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से आदिवासी समाज और ग्रामीण जीवन की वास्तविकताओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया. उनकी रचनाओं में सामाजिक संघर्ष, शोषण और मानवीय संवेदनाओं का सजीव चित्रण मिलता है. समिति के परीक्षा एवं शिक्षा मंत्री प्रो. उमेश पारेख ने उनकी प्रमुख कृतियों 'माटीमटाल', 'परजा' और 'अमृतर संतान' की साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि 'परजा' में आदिवासी समाज के संघर्ष और शोषण, 'अमृतर संतान' में मानवीय जीवन तथा 'माटीमटाल' में ग्रामीण समाज और मिट्टी से जुड़े संबंधों का चित्रण मिलता है. कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के प्रधानमंत्री अरविंद जावलेकर ने की.

सृजन विविधता' में 'अंतर्द्वंद्व' पर रचनाएं प्रस्तुत

पद्मा सिंह

मुख्य कार्यक्रम के बाद आयोजित 'सृजन विविधता' में कवियों और लेखकों ने 'अंतर्द्वंद्व' विषय पर अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं. कविता और कहानी के माध्यम से भावनात्मक, सामाजिक और वैचारिक संघर्षों को अभिव्यक्त किया गया. इस अवसर पर जयशंकर प्रसाद पुरस्कार प्राप्त साहित्यकार राधेश्याम बंदू तथा फिल्म निर्माता, कवि, लेखक एवं समग्र चेतना साहित्य संस्था के संस्थापक सुनील जैन को समिति के प्रधानमंत्री अरविंद जावलेकर ने सम्मानित किया. समिति के प्रचार मंत्री हरेराम बाजपेयी ने आभार माना.

पर्युषण के बाद गुरुदर्शन को उमड़ा गुरुभक्तों का मेला

नवभारत न्यूज

इंदौर. एयरपोर्ट रोड स्थित श्री केसरी वाटिका में चल रहे गुरुराज स्पर्श चातुर्मास कार्यक्रम में मंगलवार को जैनाचार्य श्रीमद् विजय नित्यसेनसूरीश्वरज की धर्मसभा का आयोजन हुआ. धर्मसभा में सिद्धरत्न विजयजी ने कहा कि अनंत काल से आत्मा संसार में जन्म-मरण के चक्र में भटक रही है. मनुष्य जीवन के साथ देव, गुरु, धर्म और परमात्मा का शासन मिलना महान पुण्य का परिणाम है. जिनशासन में रहते हुए भी यदि धर्म के प्रति श्रद्धा और भगवान की वाणी हमारे आचरण में नहीं आती तो कर्मों का बंधन चलता रहता है. इसलिए प्रत्येक कार्य से पूर्व विचार करना चाहिए कि हमारे भावों के माध्यम से पापकर्म का बंध हो रहा है अथवा शुभकर्म का. जैन दर्शन ने कर्म सिद्धांत को अत्यंत सूक्ष्मता से समझाया है जैसे भावों के साथ कर्म किए जाते हैं, उसी के अनुरूप उसका फल भोगना पड़ता है.

कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से जीता श्रोताओं का दिल

नवभारत न्यूज

इंदौर. शालिनी सभागृह में संगीत प्रेमियों के लिए ओम मंगलम म्यूजिकल ग्रुप, राऊ द्वारा आयोजित संगीतमय कार्यक्रम में भोपाल, रतलाम, उज्जैन, बागली, इंदौर और धार से आए कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि दिलीप राजपाल, राजकुमार अग्रवाल, डॉ. विजय कुमार सालवी एवं अभिषेक जाट की उपस्थिति में गणेश वंदना से संगीत संध्या का आगाज हुआ। इसके बाद देर तक सुरीले गीतों का सिलसिला चलता रहा. कार्यक्रम का सफल संचालन गोविंद दुबे ने किया. अंत में संस्था के डायरेक्टर वीरेंद्र सिंह राजावत ने सभी अतिथियों, कलाकारों एवं दर्शकों का आभार व्यक्त किया.

एक नजर में | आरजीपी प्योरली म्युजिकल का कार्यक्रम

संगीत महोत्सव की पहली शाम रही राज कपूर के नाम

जितेंद्र

नवभारत न्यूज

इंदौर. शहर की संगीत संस्था आरजीपी प्योरली म्युजिकल की ओर से सात दिवसीय संगीत महोत्सव '7 सितारे 7 शाम' का शुभारंभ सोमवार को प्रेस क्लब में हुआ. 10 अक्टूबर तक चलने वाले इस संगीत महोत्सव में हर शाम एक महान अभिनेता के यादगार गीतों को कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा. आयोजन की पहली शाम अभिनेता राज कपूर को समर्पित रही। इस दौरान आर. जी. पी. के सुरीले कलाकारों ने उनके दौर के लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुतियां दीं।'उनके चले जाना जरा ठहरो' गीत दीपक सरमंडल और अनुपमा मगरे ने, 'नी बलिये रुत है बहार की' प्रदीप जोशी और बीजासनी चौरे ने, 'जहाँ मैं जाती हूँ वहीं' विवेक उपाध्याय और ऋचा उपाध्याय ने, 'मस्ती भरा है समां' सचिन खेड़े और स्वेतना जैन ने तथा 'तुम ही तुम हो मेरे' राजा दुबे और सारिका जोशी ने प्रस्तुत किया. इसके साथ ही कलाकारों ने कई एकल गीत भी पेश किए. संगीतमय प्रस्तुतियों का उपस्थित श्रोताओं ने खूब आनंद लिया और कलाकारों की प्रस्तुतियों को सराहा. कार्यक्रम का रोचक सूत्र संचालन राजेश गोधा 'परवाज़' ने किया, जिन्होंने अपनी शैली से श्रोताओं को कार्यक्रम के अंत तक जोड़े रखा. कार्यक्रम के अंत में आरजीपी की ओर से नंदिता शर्मा ने उपस्थित सुधी श्रोताओं का आभार व्यक्त किया. महोत्सव की आगामी शामें 23 सितंबर तथा 1, 5, 6, 7 और 10 अक्टूबर को आयोजित होंगी. प्रत्येक शाम एक महान अभिनेता के यादगार गीतों को कलाकारों द्वारा स्वर दिया जाएगा। आयोजन सभी संगीत प्रेमियों के लिए खुला है।

बच्चों को नाटक और क्विज से किया स्वस्थ जीवन के प्रति जागरूक

नवभारत न्यूज

इंदौर. शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बजरंग नगर में स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस 'उमंग' कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताया गया कि उमंग क्या है और यह उनके जीवन में किस प्रकार उपयोगी है. बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नशे से दूर रहने, भेदभाव समाप्त करने और जीवन में आने वाली चुनौतियों का मजबूती से सामना करने के लिए जागरूक किया गया. कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उमंग की कक्षाओं में सीखी गई बातों पर आधारित नाटक और भाषण प्रस्तुत किए. बच्चों ने उमंग एंथम भी प्रस्तुत किया. इसके साथ ही विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए ड्रीम कैचर्स प्रदर्शित किए गए, जिनके माध्यम से बच्चों ने बताया कि वे भविष्य में अपने जीवन में क्या करना चाहते हैं और उनके सपने क्या हैं कार्यक्रम में बच्चों को जरूरत के समय मदद लेने के लिए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई. विद्यार्थियों को 14416, 14425 और 1903 जैसे हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया गया, ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर संबंधित सहायता और मार्गदर्शन प्राप्त कर सकें इसके अलावा उमंग क्विज आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों से उमंग और स्वास्थ्य से जुड़े सवाल पूछे गए. सही जवाब देने वाले बच्चों को उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने स्वस्थ और सशक्त समाज बनाने का संकल्प लिया. बच्चों ने शपथ लेते हुए कहा हम शपथ लेते हैं भेदभाव को मिटाएंगे, हिंसा व नशे से दूरी बनाएंगे. जीवन में आने वाली सभी चुनौतियों का सामना कर सशक्त, स्वस्थ समाज बनाएंगे. कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा उमंग एंथम प्रस्तुत किया गया.